मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

MHD–15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास—II

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) शेष में से किन्हीं ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+7

(क) आपने तो अज्ञान दूर करने से पहले ही क्रान्ति शुरू कर दी है। शासन की शक्ति से लोगों को कम्युनिज्म

समझाइएगा ? लेकिन लोग आपको शासन-शक्ति लेने नहीं देंगे। जिस जनता की भलाई के लिए कम्युनिज्म लाना चाहते हैं, वही आपका विरोध करेगी। वे आपका नहीं, गांधी जी के वारिसों का साथ देंगे। अंग्रेजों के खिलाफ लोगों को विद्रोह की बात जँचती थी, अपनी सरकार के खिलाफ बगावत उन्हें नहीं जँचेगी। आपको वैज्ञानिक रास्ते पर चलना चाहिए था। कांग्रेस को लोगों ने कितने बरस में पहचाना ? आप एक ही झटके में सब कुछ कर लेना चाहते हैं।

(ख) दोस्तो-यारो, दिल्ली में अपनी-अपनी प्रीतें-मोहब्बतें धारकर माई हीर को सलाम करो। हीर और राँझा दोनों हमारी इस मुजलिस में शामिल हैं। लोक आख्यान डालते हैं कि जितनी बार इस अलबेले जोड़े से प्रीति-प्यार के दुनिया में गाए जाएँगे, उतनी बार हुस्न के महताब चमकेंगे आशिकों के दिल में।

(ग) लेकिन हम परम्पराओं, सामाजिक परिस्थितियों, झूठे बन्धनों में इस तरह कसे हुए हैं कि उसे सामाजिक स्तर ग्रहण नहीं करा पाते, उसके लिए संघर्ष नहीं कर पाते और बाद में अपनी कायरता और विवशताओं पर सुनहरा पानी फेरकर उसे चमकाने की कोशिश करते रहते हैं। इस रूमानी प्रेम का महत्त्व है, पर मुसीबत यह है कि वह कच्चे मन का प्यार होता है, उसमें सपने, इन्द्रधनुष और फूल तो काफी मिकदार में होते हैं पर वह साहस और परिपक्वता नहीं होती जो इन सपनों और फूलों को स्वस्थ सामाजिक सम्बन्ध में बदल सके।

(घ) सब वर्गों की हँसी ठहाके अलग-अलग होते हैं। कॉफी-हाउस में बैठे हुए साहित्यकारों का ठहाका कई जगहों से निकलता है; वह किसी के पेट की गहराई से

निकलता है, किसी के गले से, किसी के मुँह से और उनमें से एकाध ऐसे भी रह जाते हैं जो सिर्फ सोचते हैं कि ठहाका लगाया क्यों गया है। डिनर के बाद कॉफी पीते हुए, छके हुए अफसरों का ठहाका दूसरी ही किस्म का होता है। वह ज्यादातर पेट की बड़ी ही अन्दरूनी गहराई से निकलता है।

2. महाकाव्यात्मक उपन्यास की आधारभूत विशेषताएँ 'झूठा-सच' में कहाँ तक उपलब्ध हैं ? क्या यह सचमुच महाकाव्यात्मक उपन्यास है ? समझाइए। 12

3. 'जिन्दगीनामा' परिवेश प्रधान उपन्यास है या नहीं—अपनी धारणा की पुष्टि पर्याप्त तर्कों से कीजिए। 12

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास के शिल्प सम्बन्धी नूतनता के प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए। 12

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 6+6

(क) 'राग दरबारी' की भाषिक भंगिमा

(ख) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' का वस्तु संगठन

(ग) 'जिन्दगीनामा' में चरित्र-सृष्टि

(घ) 'झूठा-सच' की प्रासंगिकता

× × × × ×